पाठ 15. लक्ष्मीबाई

अध्यापक/अध्यापिका इस पाठ को पढ़कर कक्षा में सुनाएँ। यह पाठ उन्हें इतिहास से परिचित कराएगा। उन्हें इतिहास के एक विशिष्ट व्यक्तित्व का परिचय देगा। उनमें भाषा के प्रति रुचि जगाएगा तथा पढ़ने की आदत डालेगा। उनके ज्ञान को भी बढ़ाएगा। साथ ही, इससे बच्चों के श्रवण-कौशल का विकास भी होगा।

- पाठ को पढ़कर सुनाने के बाद बच्चों से पाठ से संबंधित प्रश्न पूछें।
- प्रश्न का उत्तर बताने के लिए बच्चे अपने मित्रों से चर्चा भी कर सकते हैं।
- बच्चों के द्‌वारा उत्तर देने पर उनका उत्साहवर्धन करें।

इस पाठ में दिए प्रश्नों के उत्तर देने से बच्चों की भाषा संबंधी तथा बहुविध बौद्‌धिक क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। अपने मित्रों के साथ चर्चा करने व अपने विचार अभिव्यक्त करने से उनकी सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्‌धिक क्षमता का विकास होगा।